ग्रामपंचायत : हम आपकी सहायता के लिए हैं ।

अस्पताल : जन-जन के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं ।

गीत – पढ़ो, गाओ और बताओ :

२. मेरी खुशियाँ

– *सिद्‌धांत दीपक*

माता-पिता में बसतीं खुशियाँ,
जो मेरे जीवन का आधार,
जिसने यह संसार दिखाया,
नमन है उनको बारंबार ।

पहली सीख माँ से पाई,
पिता से पाया पहला प्यार,
माता-पिता दोनों ने मिलकर,
जीवन में भरे रंग हजार ।

माँ ने मुझको प्राण पिलाकर,
अपने तन को सुखाया है,
अपनी नींद खोकर उसने,
सारी खुशियों को लुटाया है ।

बचपन में मुझको अपने,
हाथों से खाना खिलाया है,
पिता ने निर्झर जल बनकर,
मेरे जीवन को हर्षाया है ।

जिसके सिर पर बड़ों का,
साया बना रहा जीवन में,
जीते वही हैं सुखमय जीवन,
खुशहाली होती उसके मन में ।

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

डॉल	बॉल	डॉक्टर	ऑन	ऑटो	शॉक
बॉटल	ऑफ	ऑफिस	टॉप	टॉमी	शॉप

२. पहली कक्षा की कोई एक कहानी सुनाओ ।

३. पढ़ो और समझो :

छत–छत्र	दान–धान	हर–हार	शेर–सेर	पढ़ना–लड़ना
सात–साथ	पता–पत्ता	डाल–ढाल	सेर–सैर	कलम–कमल

४. कृति पूर्ण करो :

[ ] ← जीवन का आधार → [ ]

यह पाया

↓ माता से ↓ पिता से

[ ] ← माता से | पिता से → [ ]

५. क्या तुमने वार्षिक स्नेह सम्मेलन में भाग लिया था?

9HU87X

वाचन – पढ़ो और समझो :

३. समान–असमान

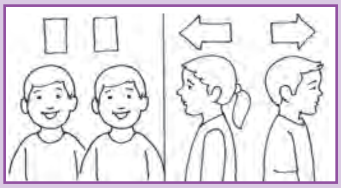

आकाश 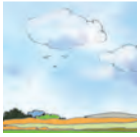 गगन	लड़की बालिका	वन जंगल	गुब्बारा फुग्गा
पाठशाला विद्‌यालय	सूरज सूर्य	फूल पुष्प	हाथ कर
उजाला	मीठा	लंबा	मोटी
अँधेरा	कड़वा	ठिंगना	पतली
थोड़ा	पास	नया	
अधिक	दूर	पुराना	LEG2WT

वाचन – पढ़ो और समझो :

४. आओ, मिलकर हँसें

चिंटू : अच्छा बताओ, लोहा पानी में क्यों नहीं तैरता ?
पिंटू : क्योंकि लोहे को तैरना नहीं आता ।

बबली : सबसे पहले सुरंग किसने बनाई ?
छकुली : चूहों ने ।

सोनू : ‘‘अक्ल बड़ी कि भैंस ?’’
मोनू : पहले दोनों की जन्मतिथि बताओ, तभी तो पता चलेगा ।

माँ : अरे बेटा ! बाजार से गरम मसाला ले आओ ।
बेटा : (वापस आकर) माँ, मैंने सभी दुकानों पर मसालों को छूकर देखा । कोई भी मसाला गरम नहीं था ।

टीटू : पापा, क्या आप मुझे एक ढोलक खरीद देंगे ?
पिता जी : नहीं बेटा ! तू ढोलक बजाकर मुझे तंग किया करेगा ।
टीटू : नहीं पापा, मैं तो ढोलक तब बजाऊँगा, जब आप सो जाया करेंगे ।

F1LSIJ

खेल – देखो, समझो और बताओ :

५. शब्दों का संजाल

सु	अं	ब	र	कं	त	चं	पं
गं	मं	ज	ड़	छि	ठि	डि	खु
धा	थ	चं	च	ल	की	का	ड़ी
त्र	रा	पा	ह	कँ	नं	दि	नी
बा	गुं	फ	न	ग	टी	इं	पं
बं	ज	अं	ज	ना	थ	दू	ढ
टी	न	कु	रं	भा	मं	ज	री
रू	ढ़	श	अं	त	रा	नं	दू

चुन–चुनकर पढ़

वर्ग	पंचमाक्षर ध्वनि	शब्द	वाक्य
क	ङ्	कंगन	मुझे **कंगन** बहुत प्रिय हैं ।
च	ञ्	चंचल	मुक्ता बहुत **चंचल** है ।
ट	ण्	झंडा	**झंडा** ऊँचा रहे हमारा ।
त	न्	नंदन	**नंदन** अच्छा खिलाड़ी है ।
प	म्	मुंबई	**मुंबई** महानगरी है ।

१. **सुनो और दोहराओ :**

अंकुश	चंचल	मंथरा	चंपा	अंतरा
पंखुड़ी	वांछित	गुंफन	बंटी	कंठिका

२. **पढ़ो और समझो :**

कंगन	गुंजन	सुगंधा	नंदू	अंबिका
घंटी	मंजरी	पंढरी	रंभा	चंडिका

३. **संगणक और उसके भागों को देखो और चर्चा करो :**

४. **लिखो :**

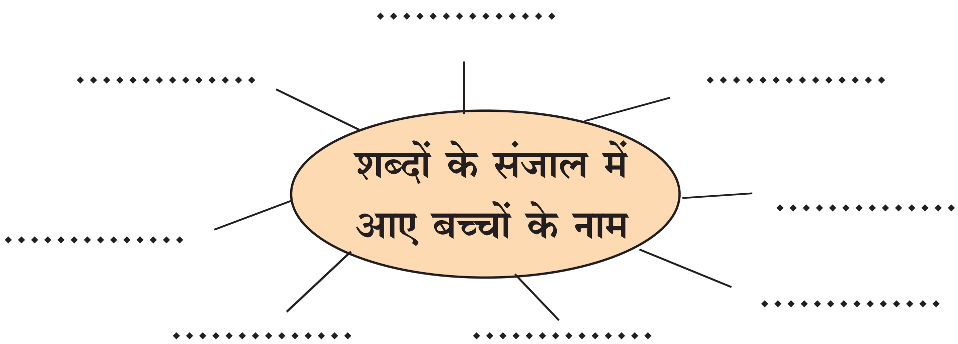

५. **पूरी वर्णमाला क्रम से सुनाओ ।**

Q8E44S

संवाद – पढ़ो और अनुलेखन करो :

६. तिरंगे का सम्मान

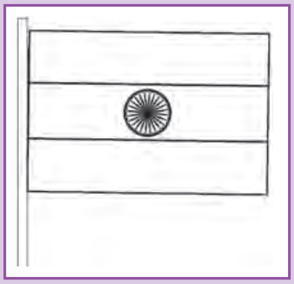

शिक्षक : सुनो तो, कौन-सा गीत बज रहा है ?

तेजस : गुरु जी, देशभक्ति का गीत बज रहा है ।

शिक्षक : हाँ, तीन दिनों के बाद गणतंत्र दिन है ।
बड़ी कक्षाओं के विद्‌यार्थी उसी की तैयारी कर रहे हैं ।

एंजिला : गुरु जी, हम भी तैयारी करेंगे ।

शिक्षक : जरूर ! तैयारी में क्या किया जाए ?

अंकुश : पहले तो हम कक्षा की सफाई करेंगे फिर उसे सजाएँगे ।

शिक्षक : अंकुश, तुम्हारा सुझाव अच्छा है ।

एंजिला : हाँ, हम सब मिलकर सफाई करेंगे ।

शैली : गुरु जी, क्या मैं श्यामपट्‌ट पर झंडे का चित्र बनाऊँ ?

तेजस : हम छोटे-छोटे तिरंगे झंडों की बंदनवार बनाएँगे ।

शिक्षक : श्यामपट्‌ट पर झंडे का चित्र जरूर बनाओ पर बंदनवार मत बनाओ ।

अंकुश : क्यों गुरु जी ?

शिक्षक : हमें हमेशा तिरंगे का सम्मान करना चाहिए ।
जब हम बंदनवार निकालते हैं तब छोटे-छोटे झंडे नीचे गिरते हैं ।

अंकुश : कुछ लोग छोटे-छोटे चक्री-झंडे खरीदते हैं, ...

शैली : झंडे का बिल्ला लगाते हैं ...

एंजिला : लेकिन बाद में उन्हें इधर-उधर फेंक देते हैं ।

तेजस : हमें उन्हें ठीक से रखना चाहिए । उनका अनादर नहीं करना चाहिए ।

शिक्षक : शाबास !

१. सुनो और समझो :

राष्ट्रीय ध्वज – ....

राष्ट्रीय पशु – ....

राष्ट्रीय पक्षी – ....

राष्ट्रीय फूल – ....

२. समझो और बताओ :

(१) हमारा स्वतंत्रता दिन – ....

(२) हमारा गणतंत्र दिन – ....

(३) तिरंगे के तीन रंग – ...., ..., ...

३. शब्दों के अर्थ लिखो और पढ़ो :

(१) सुझाव = ... (२) सम्मान = ...

(३) शौक = ... (४) अनादर = ...

४. आकृति में लिखो :

गणतंत्र दिन के अवसर पर हम खरीदते हैं – .... / ....

34ZXTN

कहानी – पढ़ो, समझो और बताओ :

७. जंगल में मंगल

– रुबी फातेमा मोईन आळंदकर

एक समय की बात है । नंदनवन के सभी प्राणी उदास बैठे थे । शेर राजा ने सबकी उदासी का कारण जानना चाहा । शेर ने हाथी से पूछा, ''अरे ! सब उदास क्यों हैं ?'' हाथी खड़ा होकर बोला, ''महाराज, मानव हमारे नंदनवन के पेड़ों की कटाई कर रहे हैं । हमारे भोजन और निवास की जगह कम हो रही है ।''

शेर ने कुछ सोचकर कहा, ''अरे, ये मानव धीरे-धीरे हमारा सब कुछ छीन रहे हैं ।'' भालू बोला, ''हमारी तो कई जातियाँ भी समाप्त हो गई हैं ।'' सारे प्राणी अपनी-अपनी परेशानियाँ बताने लगे । मानव के सिर पर ही सारे दोष मढ़ने लगे । शेर ने सभी को रोकते हुए कहा, ''शांत ! शांत ! इस तरह से कोई भी परेशानी हल नहीं होगी । आप धीरज बनाए रखें । हम इस विषय पर आज ही कुछ उपाय सोचते हैं । सभी अपने-अपने सुझाव एक-एक कर सामने रखें ।''

हाथी बोला, ''हमारे भी कुछ प्राणी मित्रों ने मानव बस्तियों में जा-जाकर उन्हें बहुत परेशान किया है ।'' नटखट बंदर ने कहा, ''हमें प्राणी मित्र संस्था को निवेदन भेजकर अपनी समस्या बतानी चाहिए और अपनी भी गलती स्वीकार करके माफी माँगनी चाहिए । वे जरूर कुछ करेंगे ।''

यह बात सुनकर सभी प्राणियों के चेहरों पर आशा की किरण जग गई । ऐसा लग रहा था, 'जंगल में फिर मंगल' होने वाला है ।

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

(१) जल में रहने वाले प्राणी – मछली मगर केकड़ा मेंढक

(२) थल पर रहने वाले प्राणी – बकरी बंदर हिरण सिंह

(३) नभ में उड़ने वाले प्राणी – भँवरा चिड़िया तोता बाज

२. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ और पढ़ो :

(१) नाक – ....

(२) पुस्तक – ....

(३) रथ – ....

(४) आनंद – ....

३. समझो और लिखो :

(१) उदास बैठे थे – **सभी प्राणी**

(२) खड़ा होकर बोला – ....

(३) सोचकर कहा – ....

४. कृति करो :

नंदनवन के प्राणी

↓ ↓ ↓

....

५. पाँच पालतू और पाँच जंगली जानवरों के नाम बताओ ।

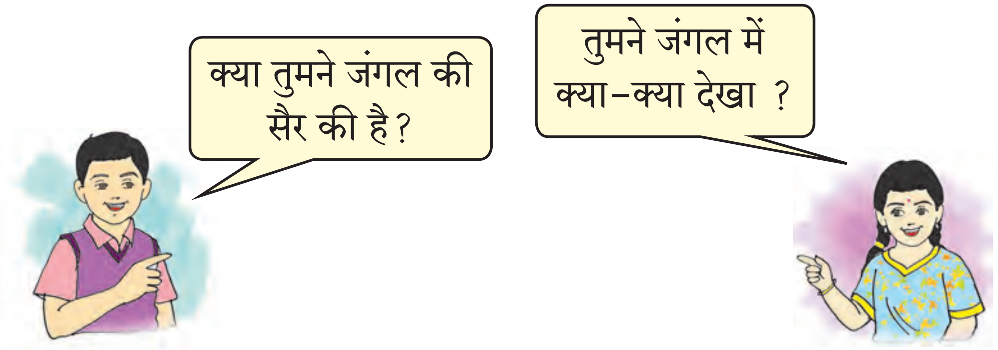

RX8M8F

अभियान गीत – पढ़ो, गाओ और बताओ :

८. बच्चो बनो महान

– सभाजीत मिश्र

देश के बच्चो बनो महान
सत्य मार्ग पर चलना जानो
माता–पिता की आज्ञा मानो
गुरु का सदा करो सम्मान

गुरु बिन मिले न ज्ञान
वतन के बच्चो बनो महान ।

निर्बल के तुम बनो सहायक
दुखियों के दुःख में सुखदायक
सबकी सेवा करने लायक

बनो वीर और गुणवान
देश के बच्चो बनो महान ।

तुम कल के शिक्षक, वैज्ञानिक
देशभक्त, भारत के सैनिक
हरी–भरी धरती को करने

तुम मेहनतकश बनो किसान
देश के बच्चो बनो महान ।

१. सुनो, समझो और दोहराओ :

प्राय:	प्रात:	अत:	सामान्यत:	मुख्यत:
स्वत:	पुन:	नि:शुल्क	नि:संकोच	प्रथमत:

२. पढ़ो और समझो :

(१) ''तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा ।''

(२) ''आराम हराम है ।''

(३) ''वंदे मातरम् ।''

(४) ''स्वराज्य मेरा जन्मसिद्‌ध अधिकार है ।''

३. पंक्ति पूर्ण करो :

(१) निर्बल के तुम बनो ....

(२) दुखियों के दु:ख में ....

(३) गुरु का सदा करो ....

४. इनके कार्य बताओ :

(१) वैज्ञानिक – .... (२) शिक्षक – ....

(३) किसान – .... (४) सैनिक – ....

५. प्रस्तुत कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है, लिखो :

....

....

....

4TUGXB

कृति – देखो, समझो और बनाओ :

९. छाप

सामग्री – कोरा कागज, स्केच पेन और प्राकृतिक रंग ।

कृति –

* एक कोरा कागज लो ।
* अँगूठे को रंग लगाओ ।
* रंग लगे अँगूठे से कोरे कागज पर अंतर रखकर छाप लगाओ ।
* छाप लगाने के बाद स्केच पेन से मनुष्य की आँख, कान, नाक, मुँह बनाकर सिर पर बाल बनाओ ।
* चेहरे पर विविध भाव जैसे – खुशी, रूठना, रोना, बुढ़ापा और बचपन दिखाओ ।

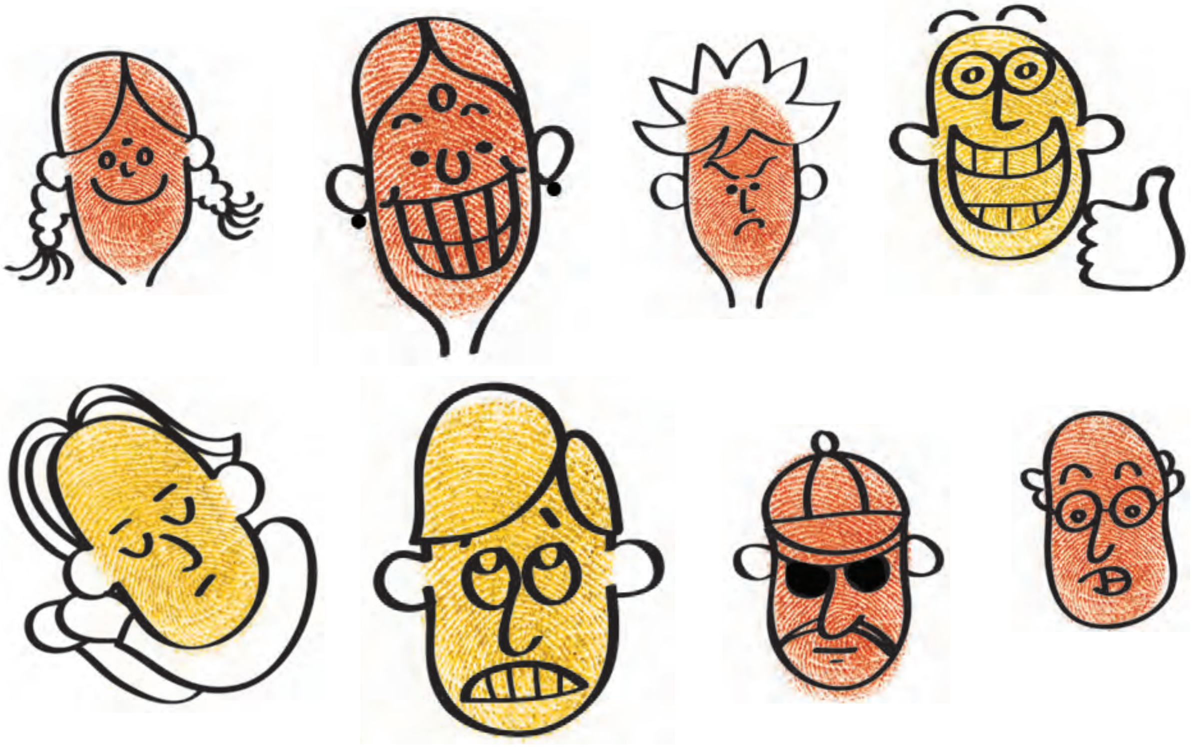

१. **दिए गए शब्दों की सहायता से अनुच्छेद पूरा करो और पढ़ो :**

(बीत, सफल, सदुपयोग, मूल्यवान, वापस, धन)

समय बहुत ………… होता है । खोया हुआ धन ………… मिल सकता है, पर जो समय ………… गया, वह कभी वापस नहीं लौट सकता । इसलिए समय …………–दौलत से भी अधिक कीमती है । समय का ………… करके ही हम अपने जीवन को ………… बना सकेंगे ।

२. **कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण करो और लिखो :**

(से ने में के पर को की)

(१) चिड़िया अपने बच्चों ……… दाना चुगाती है ।

(२) प्राची घड़े ……… पानी डालती है ।

(३) सारे बच्चे बस ……… नीचे उतरेंगे ।

(४) गौरांश ……… मीठा हलवा बनाया था ।

(५) पेड़ ……… नीचे टोपीवाला सोया था ।

(६) तोता डाल ……… बैठा है ।

(७) अम्मा ……… टोकरी में आम होंगे ।

३. जन्मदिन पर मैंने ये चीजें देखी, बताओ :

यहाँ अपना फोटो चिपकाओ	....
	मेरी जन्मतिथि .... है ।

४. सुनो और दोहराओ :

(१) परिश्रम का फल मीठा होता है ।

(२) गलती होने पर क्षमा माँगनी चाहिए ।

(३) मित्रता सच्ची होनी चाहिए ।

(४) किताबों से हमें ज्ञान मिलता है ।

५. वर्ण पहेली से फूलों के नाम ढूँढ़कर लिखो :

च	फ	गें	दा	आ	क
मे	ब	स	उ	त	म
ली	चं	गु	ला	ब	ल
ली	ऋ	पा	इ	ख	प
अ	र	ज	नी	गं	धा
मो	ग	रा	त	रा	नी

(१) ....   (४) ....   (७) ....

(२) ....   (५) ....   (८) ....

(३) ....   (६) ....   (९) ....

पुनरावर्तन– ५

१. सुनो और समझो :

चाहे बिल्ली काटे रस्ता,
चाहे कोई छींके अलबत्ता,

तीन तिगाड़ा पीछे से टोके,
आगे बढ़ो बताकर धत्ता ।

कोई काम नहीं रुकता है,
भला हिमालय कब झुकता है,

शगुन-अपशगुन से परे सदा,
फल परिश्रम का मिलता है ।

२. पढ़ो, समझो और विरामचिह्न लगाओ :

समझदारी

मोहन सुबह उठते ही दूरदर्शन पर प्रोग्राम देखने लगा   माँ बोली, ''मोहन जल्दी करो स्कूल के लिए देर हो रही है ।'' मोहन अलसाया हुआ पाठशाला पहुँचा । शिक्षक ने पूछा, ''मोहन देर क्यों हुई ?'' मोहन को दूरदर्शन में देखे कार्यक्रम की याद आ गई । वह बोला ''गुरु जी ! गिर गया, लग गई ।'' शिक्षक ने पूछा, ''कहाँ गिर गया क्या लग गई ?'' मोहन बोला, ''गुरु जी ! बिस्तर पर गिर गया, नींद लग गई ।'' सुनकर सभी बच्चे हँसने लगे । शिक्षक ने मोहन को प्यार से समझाते हुए कहा, ''कल से जल्दी पाठशाला आना ।''

दूसरे दिन मोहन सुबह जल्दी उठा फटाफट तैयार होकर पाठशाला पहुँच गया । वह बहुत खुश था । पाठशाला में सबसे पहले आया था पर यह क्या बहुत देर तक पाठशाला में कोई नहीं आया । बाद में उसे याद आया 'अरे आज तो रविवार है अत: छुट्टी है । आज उसकी समझ में आ गया कि ज्यादा दूरदर्शन देखने का नतीजा बुरा होता है । उसने फैसला किया कि अब वह कुछ समय ही दूरदर्शन देखेगा